

दिल्ली धमाके के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, इसकी तह तक जाएंगे, भूटान में बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली विस्फोट पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे एक साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि %में कल रातभर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ, सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी और षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।%भूटान के दो दिवसीय दौरे पर गए प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में हुई कार विस्फोट की घटना पर दुख व्यक्त किया और साथ ही ये भी कहा कि इस घटना के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली धमाके पर विपक्ष का हमला: CM सिद्धारमैया ने जताया दुख; प्रियांक खरगे बोले- शाह सबसे अयोग्य गृह मंत्री

दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके के बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह पर जोरदार हमला बोला। कर्नाटक मंत्री प्रियांक खरगे, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा समेत कई नेताओं ने गृह मंत्री की भूमिका पर सवाल उठाए।दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खडगे, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा समेत कई विपक्षी नेताओं ने केंद्र पर लापरवाही और नाकामी के गंभीर आरोप लगाए हैं।दिल्ली धमाके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता क्योंकि पहले जांच होना जरूरी है। कल दिल्ली में जो धमाका हुआ, उसका असर आज बिहार चुनाव पर बीजेपी के खिलाफ पड़ सकता है। बम धमाके नहीं होने चाहिए। निर्दोष लोगों की जान जाना बेहद दुखद है।कर्नाटक मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा संभवतः अमित शाह आजाद भारत के सबसे अयोग्य गृह मंत्री हैं। किसी और देश या राज्य में होते तो उन्हें कैबिनेट से बाहर कर दिया जाता। लेकिन वे प्रधानमंत्री मोदी के राजदार हैं, इसलिए अछूते हैं। आखिर गृह मंत्री को जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया जा रहा? क्या वे सिर्फ सरकारों गिराने और राजनीति करने के लिए हैं? उनकी अक्षमता के कारण और कितनी जानें जाएंगी?

भूटान नरेश ने दिल्ली विस्फोट पीड़ितों के लिए की प्रार्थना, दोनों देशों के संबंधों को सराहा



जाएगा। प्रधानमंत्री ने दिल्ली विस्फोट की घटना को साजिश करार दिया। उन्होंने ये भी कहा कि वे बीती रात जांच एजेंसियों के संपर्क में रहे और धमाके से जुड़ी जानकारी लेते रहे। सोमवार शाम दिल्ली में बम धमाका हुआ और पीएम मोदी तय कार्यक्रम के अनुसार, मंगलवार सुबह भूटान पहुंचे। यहीं उन्होंने दिल्ली विस्फोट की घटना पर बयान दिया।दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा% पीएम मोदी ने थिम्फू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि %आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित कर दिया है। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल रातभर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ, सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। दिल्ली विस्फोट में मृतकों का आंकड़ा 12 तक पहुंचा- सोमवार की शाम दिल्ली में लाल किले के नजदीक एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। जांच एजेंसियां विस्फोट की जांच में जुटी हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल कर धमाका गया। इससे पहले फरीदाबाद से जांच एजेंसियों ने एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और करीब तीन क्रिंटल अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया था। जांच एजेंसियों को शक है कि दिल्ली विस्फोट के तार भी फरीदाबाद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, %सदियों से भारत और भूटान का संबंध बहुत ही गहन, आत्मीय और सांस्कृतिक रहा है। इसलिए, इस महत्वपूर्ण अवसर में शामिल होने का, भारत का और मेरा वादा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर भूटान पहुंचे हैं। भूटान की राजधानी थिम्फू के एयरपोर्ट पर पीएम मोदी भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान भूटान सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री और शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। पीएम मोदी 11-12 नवंबर को भूटान दौरे पर रहेंगे। इस दौरे से द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी भूटान के चौथे राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के 70वें जन्मदिन समारोह में भी शामिल होंगे। पीएम मोदी ने भूटान में दिल्ली विस्फोट पर दुख व्यक्त किया।भूटान में दिल्ली धमाके पर बोले पीएम मोदी- भूटान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली धमाके की घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि %आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित कर दिया है। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं।दिल्ली ब्लास्ट ने सभी को व्यथित किया। पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और जो भी इस धमाके के पीछे हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।% प्रधानमंत्री ने कहा कि %मैं कल रातभर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ, सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। विचार-विमर्श चल रहा था, जानकारीयें के तार जोड़े जा रहे थे। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।% पिपरहवा अवेणों के दर्शनों पर कही ये बात- प्रधानमंत्री मोदी ने थिम्फू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि %आज का दिन भूटान के लिए, भूटान के राज परिवार के लिए और विश्व शांति में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के लिए बहुत अहम है। सदियों से भारत और भूटान का संबंध बहुत ही गहन, आत्मीय और सांस्कृतिक रहा है। इसलिए, इस महत्वपूर्ण अवसर

में शामिल होने का, भारत का और मेरा वादा था।% भारत-भूटान संबंधों पर बोले पीएम मोदी- पीएम मोदी ने कहा कि %आज यहां एक तरफ वैश्विक शांति प्रार्थना उत्सव का आयोजन हो रहा है और दूसरी ओर भगवान बुद्ध के पिपरहवा अवशेषों के दर्शन हो रहे हैं। इन सबके साथ हम सब भूटान के चौथे राजा के 70वें जन्मदिन समारोह के साक्षी बन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मेरा जन्म वडनगर में हुआ और यह बौद्ध परंपरा से जुड़ा है। मेरी कर्मभूमि वाराणसी है और वह भी बौद्ध परंपरा से जुड़ी है। यही वजह है कि इस उत्सव में शामिल होना मेरे लिए खास है।% पीएम मोदी ने कहा कि %2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मुझे अपनी पहली विदेश यात्रा में भूटान आने का अवसर मिला था। मैं आज भी उस यात्रा को याद करता हूं, तो मन भावनाओं से भर जाता है। भारत और भूटान के संबंध इतने मजबूत और समृद्ध हैं कि हम मुश्किलों में भी साथ थे, हमने चुनौतियों का सामना भी मिलकर किया।% पर्यावरण के मामले में भूटान की उपलब्धियों को पीएम मोदी ने सराहा-पीएम मोदी ने कहा कि %भूटान के पूर्व और मौजूदा राजाओं ने सतत विकास और पर्यावरण पहले का विजन आगे बढ़ाया है। इसी विजन की नौव पर आज भूटान विश्व का पहला कार्बन निगेटिव देश बना है। ये एक असाधारण उपलब्धि है। आज जब हम दोनों देश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, तो इस विकास को हमारी ऊर्जा साझेदारी और गति दे रही है। भारत-भूटान हाइड्रो पावर साझेदारी की नौव भी भूटान के राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुकके नेतृत्व में रखी गई थी। आज जब हम विकास और समृद्धि की तरफ चल पड़े हैं, तब भी हमारा साथ और मजबूत हो रहा है।% पुनात्सांगछू-2 हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का करेगें उद्घाटन- इस दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी

भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री तोबगे के साथ बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी और भूटान के राजा वांगचुक मिलकर भारत और भूटान द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 1020 मेगावाट के पुनात्सांगछू-टुड्टु हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। विदेश मंत्रालय (स्व्) ने शनिवार को कहा कि इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच दोस्ती और सहयोग के खास रिश्तों को मजबूत करना है। %यह दौरा द्विपक्षीय संबंधों में नई जान डालेगा%- इससे पहले भूटान के प्रधानमंत्री शेर्गि तोबगे ने थिम्फू के पारो एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। तोबगे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि %मैं अपने बड़े भाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भूटान में स्वागत करने में पूरे देश के साथ शामिल हूं।% दौरे पर निकलने से पहले एक बयान में प्रधानमंत्री ने कहा, %मुझे विश्वास है कि मेरा यह दौरा हमारी दोस्ती के बंधन को और गहरा करेगा और साझा प्रगति और समृद्धि की दिशा में हमारे प्रयासों को मजबूत करेगा।% प्रधानमंत्री ने कहा, %हमारी साझेदारी हमारी %नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी% (पड़ोसी पहले नीति) का एक मुख्य स्तंभ है और पड़ोसी देशों के बीच बेहतरीन दोस्ताना संबंधों का एक मॉडल है।% प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दौरा हमारे द्विपक्षीय संबंधों में नई जान डालेगा। भूटान के राजा ने दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों के लिए की प्रार्थना- भूटान की राजधानी थिम्फू में आयोजित हुए कार्यक्रम में भूटान के राजा ने हजारों लोगों के साथ दिल्ली विस्फोट की घटना में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और पीड़ितों के लिए प्रार्थना की।

सीएम योगी ने मां पाटेश्वरी में उतारी आरती, गोसेवा कर गायों खिलाया गुड़-चना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार की सुबह तुलसीपुर के देवीपाटन मंदिर में मां पाटेश्वरी की आरती उतारी। पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने इस दौरान गोसेवा भी की।बलरामपुर जिले के तुलसीपुर में देवीपाटन मंदिर में मंगलवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां पाटेश्वरी की आरती उतारी। पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने मंदिर की गोशाला में गायों को गुड़ चना व हरा चारा खिलाया। इसके साथ ही उन्होंने मंडल के

दिल्ली में हुए धमाके में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। फरीदाबाद के सेक्टर 37 में रॉयल कार जोन के कार डीलर सोनू का ऑफिस है। इसने ओएलएक्स पर कार सेल की विज्ञापन पोस्ट किया था। इसके बाद कार बिकी। फरीदाबाद पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि सोनू को पकड़कर दिल्ली स्पेशल सेल के हवाले कर दिया गया है।दिल्ली में लाल किले के पास लाल बत्ती पर हुए ब्लास्ट में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। धमाके में इस्तेमाल आई20 कार फरीदाबाद के डीलर से चार दिन पहले ही खरीदी गई थी। डीलर को दिल्ली पुलिस अपने साथ ले गई है।फरीदाबाद के सेक्टर 37 में रॉयल कार जोन के कार डीलर सोनू का ऑफिस है। इसने ओएलएक्स पर कार सेल की विज्ञापन पोस्ट किया था। इसके बाद कार बिकी। फरीदाबाद पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि सोनू को पकड़कर दिल्ली स्पेशल सेल के हवाले कर दिया गया है।धमाके वाली कार गुरुग्राम में रजिस्टर्ड है, सात बार बेची जा चुकी है लाल किले के सामने जिस आई-20 कार में धमाका हुआ है वह वह हरियाणा की है। ये कार गुरुग्राम नॉर्थ आरटीओ पर यह कार रजिस्टर्ड बताई जा रही है। यह एक साल में सात बार बेची जा चुकी है। पुलिस ने पुष्टि की कि यह धमाका सुनिश्चित आतंकी साजिश का नतीजा था। मौके से बरामद मलबे में आईईडी के अवशेष मिले हैं। खास बात ये है कि



जिस जगह धमाका हुआ है वहां न तो गड्ढा हुआ और न ही मृतों के शरीर काले पड़े हैं। एनआईए, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और फोरेंसिक टीमों मिलकर पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं। सुरक्षा एजेंसियां इस आतंकी मॉड्यूल की कड़ियों को खंगालने में जुटी हैं।पुलिस अधिकारियों के अनुसार कार के पिछले हिस्से में धमाका हुआ है।पिछले हिस्से में आईईडी छिपाने की संभावना होती है। कार का नंबर प्लेट 1।क26 थी।पुलवामा से भी जुड़े तार जिस कार एचआर-26-सीई 7674 से धमाका हुआ, उसका रजिस्ट्रेशन गुरुग्राम, हरियाणा निवासी सलमान के नाम है। पुलिस ने उसे तत्काल हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने बताया कि कार ओखला निवासी देवेन्द्र को बेच दी थी। देवेन्द्र ने उसे अंबाला में किसी तीसरे को बेच दिया। वहां से कार पुलवामा निवासी तारिक को बेच दी गई थी। पुलवामा में 2019 में आतंकियों ने इसी तरह एक वाहन में विस्फोटक भरकर धमाका किया था, जिसमें 40 जवान बलिदान हुए थे। सीसीटीवी फुटेज से खुलासा हुआ है कि कार तीन घंटे पार्किंग में खड़ी रही थी। सलमान हिरासत में, आरटीओ से होगी असली पहचान- सूत्रों के मुताबिक, हुंडई आई 20 कार शुरुआत में सलमान नाम के एक शख्स के नाम पर रजिस्टर्ड थी। सलमान ने दावा किया कि उसने वह कार आगे किसी और को बेच दी थी। सलमान के इस बयान के बाद पुलिस अब परिवहन विभाग

से संपर्क कर रही है। पुलिस का मुख्य लक्ष्य आरटीओ रिकॉर्ड्स के जरिए उस शख्स की पहचान करना है, जिसके हाथ में धमाके के वक्त यह कार मौजूद थी, या जिसने हाल ही में इसे सलमान से खरीदा था।दो मृतकों की पहचान- दिल्ली लाल किला धमाके में मरने वालों की पहचान में अब तक दो नाम सामने आए हैं। उत्तर प्रदेश के अमरोहा हसनपुर के अशोक कुमार और दिल्ली के श्रीनिवासपुरी निवासी अमर कटारिया की मौत की पुष्टि हुई है। बाकी मृतकों की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है। सुरक्षा और जांच एजेंसियां शवों की पहचान के लिए डीएनए और अन्य तकनीकी मदद का इस्तेमाल कर रही हैं। मृतकों के परिवारों को घटनास्थल पर अधिकारियों द्वारा सूचना दी जा रही है।चलती कार में लाल बत्ती पर धमाका- देश की राजधानी दिल्ली सोमवार शाम भीषण धमाके से दहल उठी। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास भीड़ भरे इलाके में कार में हुए जोरदार धमाके में अब तक 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल हो गए। धमाके से कई गाड़ियों में आग लग गई। प्रारंभिक जांच में आतंकी हमले की आशंका जताई जा रही है। धमाका इतना शक्तिशाली था कि चपेट में आए लोगों के शरीर के हिस्से काफी दूर तक जाकर गिरे। आस-पास खड़ी गाड़ियों के शीशे भी टूट गए।धमाके की आवाज ढाई किलोमीटर दूर आईटीओ चौराहे तक सुनी गई। इस बीच, अमेरिका ने धमाके की जांच में मदद की पेशकश की है। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि लाल किले के पास सुभाष मार्ग ट्रैफिक सिग्नल पर आई-20 गाड़ी में धमाका हुआ। पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने बताया, धमाका धीमी गति से चल रही कार में शाम करीब 6-52 बजे हुआ। शुरुआती जांच के अनुसार, कार में तीन लोग सवार भी थे।



जिलाधिकारियों से विकास के मुद्दे पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से भी भेंट की।मुख्यमंत्री योगी ने सभी को विकास योजनाओं को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

सोमवार की शाम को देवीपाटन मंदिर परिसर में आयोजित महंत महेंद्र नाथ योगी के 25 वीं पुण्यतिथि में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे।मुख्यमंत्री योगी मंदिर में रात्रि विश्राम के

बाद मंगलवार की सुबह लखनऊ के लिए रवाना हो गए।मुख्यमंत्री योगी जब भी मां पाटेश्वरी मंदिर में आते हैं तो गोसेवा भी करते हैं।उन्होंने गायों को गुड़ और चना भी खिलाया।

संपादकीय

Editorial

How many more Pandavas? Has Himachal Pradesh suddenly entered history, or has the Kaurava-Pandavas battle once again been weighed against the Kauravas? Politicians, once immersed in the frivolous aspects of serious debate, have now reached such a level that our political thinking has become a jugglery. In the context of factionalism, some have become Pandavas, while others have become Kauravas. But the reality is that the faces of politics are becoming smaller and the litigation is getting longer. It's no longer easy to tell who occupies whose position between the BJP and the Congress, but today's times are certainly a time of "Mahabharata" everywhere. This is reflected in the character of society and is being presented as a question of governance before the country. Despite our best efforts, we cannot choose the Pandavas for the nation's interests, and we, despite our best efforts, are reluctant to side with the Kauravas. Panchayat elections are coming, and if we fail to find a "Pandavas" for the village panchayat, then we are all guilty for the Kauravas' victory. In Dehra, when a woman, in front of the administration, the government, and the public, beats an elderly man who had come to the SDM court and throws ink on his face, neither the Pandavas nor the Kauravas are left there. In Hamirpur, when a woman dies after being brutalized by a minor, where is the society that sees the Pandavas in itself? We are busy watching the drama of forced Pandavas and Kauravas in the consent of politicians on the bed of irony. The case of the Churah MLA is giving rise to many characters from the Mahabharata, but the current era may not be ready to believe Draupadi's words. No one knows how much the Mahabharata will return in this case, but in the pastures of dignity, whose advice should we follow or whom should we accept? Of course, after independence, we have created many gods and conducted countless experiments and constitutional amendments in an attempt to find a glimpse of gods in public representatives, but we have lost faith in those whom we considered Pandavas. Where would we find the struggle of the Pandavas among those who have joined the army of defections or those who have been creating idols among castes? The debate is no longer about the Pandavas; we need a distance from the Kauravas so that, in the language of the people, this scene of your rule can only pass as a respite. It is surprising that the Congress and BJP are searching for Kauravas and Pandavas in organizational capacity. In such a situation, how can one see the basis of political science or the basis of life from a historical perspective? In this context, when the headlines of the upcoming winter session emerge, we will count the steps that reach the Tapovan complex of the Assembly along with the dust of some assembly constituency. Will modern Pandavas provide an eternal topic of discussion, or will the feet of Kauravas be exposed with every exit? The Himachal Assembly will hardly be able to decide who lived like the Pandavas and who became the army of the Kauravas. Are our schools and colleges producing Pandavas, or does the hospital mistake Kauravas for Kauravas every day after seeing patients? Even if the modern Kauravas are pointed out like the public, it's a blessing that someone tried to question the government, otherwise, every day, a Mahabharata is fought somewhere, either through the media or on social media. In such a situation, a decision on a holy war between the Kauravas and the Pandavas is impossible today because neither side is eternal in the war frenzy. Trees are being cut down in the forest so that someone can sit on a high place and make noise. This is noise. It will increase further in the future. It will continue to increase so that the public forgets their language amidst the noise.

Cooperative Networks are Better than Banks: An Initiative for Positive Change

Initiatives such as transparent audits, rotation of office bearers, and working capital support from the government can restore confidence. Training camps will enhance honesty and efficiency in cooperative management. True financial inclusion will only be achieved when we strengthen institutions that know their people, because credit is not just capital, but also trust. Vishwakarma Yojana: A New Hope for Artisans: The Pradhan Mantri Vishwakarma Yojana brought new hope for people associated with 18 traditional professions such as carpenters, potters, goldsmiths, and tailors. Under this scheme, provisions were made for skill training, modern tools, and small loans without collateral, so that they could stand on their own feet in today's technological world. Launched in September 2023 with a budget of Rs 13,000 crore, the scheme targeted traditional professions related to rural life in the country. Two years later, the figures on paper look encouraging, as more than three crore registrations have been made under this scheme, but the reality is different. So far, only 4.65 lakh artisans have been sanctioned loans worth Rs 4,000 crore, of which only Rs 2,200 crore has actually been disbursed, and only Rs 224 crore has been repaid. This gap between registration and actual loan disbursement reflects not just an administrative, but a structural deficiency. It shows that the biggest obstacle to economic welfare schemes in India is the banking system itself. Private banks are not defying the government; they are simply cleverly circumventing the rules. The RBI has ordered all banks to allocate 40 percent of their total loan book to agriculture, small-scale industries, and weaker sections. Instead of meeting the mandated lending targets for the priority sector, private banks buy priority sector lending certificates. These certificates can be purchased from public sector banks that have disbursed more loans than their targets. Some banks claim to fulfill their obligation through non-banking financial companies or microfinance institutions. On paper, they comply with the rules, but in reality, the record of private banks in providing Vishwakarma loans is disappointing. Private banks have a share of barely three percent in the PM Jan Dhan Yojana. Private banks argue that a loan of two lakh rupees given to a small artisan requires the same amount of paperwork and costs as a 20 lakh rupee car loan, but the profit is much lower. Artisans have neither collateral nor a digital credit history, which increases the risk. Government guarantees also only cover partial losses. Therefore, this work is not attractive for institutions driven by shareholders. In contrast, public sector banks bear almost the entire burden – whether it's schemes like Jan Dhan, Mudra, or Vishwakarma – but their capacity is limited due to limited staff and stringent regulatory burdens. When loans default, both the bank and the government face public criticism. When private banks are withdrawing and public banks are stretched thin, the solution lies in the cooperative framework. This is India's oldest and most trusted financial system. Cooperative credit societies and district cooperative banks operate on a 'social guarantee' model, where each member guarantees the other. This community trust is more useful for artisans who lack formal records. The default rate in these institutions averages around two percent, which is better than most microloans. In many states, cooperative institutions are deeply involved in dairy, handloom, and rural enterprises. They have experience with local businesses and seasonal incomes. A potter or carpenter may not understand fintech, but they understand a cooperative institution. If the Vishwakarma scheme is linked to these cooperative networks, the scheme can truly become people-driven, as has happened with the weaver societies in Uttar Pradesh or the dairy cooperatives in Gujarat. The government should provide better loan guarantees to cooperative and district central banks compared to scheduled banks, as they have a deeper social base. Refinancing facilities for artisan loans can be opened through NABARD or SIDBI. The digitization of primary agricultural credit societies is 80 percent complete. These should also be linked to government schemes. Cooperatives that perform well in loan disbursement and recovery can be given interest subsidies or administrative support. The government could also waive small but recurring costs for cooperatives, such as NEFT/RTGS charges, KYC verification, and credit bureau fees. A special fund could be created to reimburse a portion of the administrative expenses of cooperatives that meet financial inclusion targets. While it is true that many cooperative institutions are struggling with capital shortages, weak management, or a lack of digitalization, these issues can be addressed. Initiatives such as transparent audits, rotation of office bearers, and working capital support from the government can restore confidence. Training camps will enhance integrity and efficiency in cooperative management. True financial inclusion will only be achieved when we strengthen the institutions that know their people best, because credit is not just about capital, but also about trust.

Bihar, yearning for a better future, must overcome decades of unfulfilled promises.

The question is not merely about the next five years of governance, but about what kind of governance Bihar is willing to accept. If voters participate in building a government accountable to the people, they can compel politics to become an instrument of renewal. Disillusionment among the youth, the crisis of unemployment – ??reforms in the education system are crucial. In the ongoing Bihar assembly elections, the ruling alliance is projecting a vision of transforming the state into an industrial hub, while the opposition alliance seems to be sharpening its tried and tested issues of social justice and reservation. But amidst all this, there are some fundamental questions that are gnawing at the soul of Bihar. Will this election remain just another chapter in the arithmetic of power, or will it become a genuine opportunity to bridge the deep chasm that has been widening for decades between promises and reality? This is not merely a competition of personalities or alliances, but a rare moment of collective introspection for a society grappling with the unbearable distance between its glorious civilizational heritage and its current reality. Today, the land of Bihar has become a symbol of migration, unemployment, and unfulfilled aspirations. Therefore, the real question is not who will win, but whether Bihar's politics can become a powerful instrument of renewal? The biggest challenge for any party in Bihar's politics today is not to craft new promises, but to overcome the deep mistrust and skepticism that has arisen from decades of unfulfilled assurances. Every election cycle only reinforces the 'growing sense of unfulfilled expectations'. The crisis is no longer one of hope, but of credibility, where citizens are now demanding not just rhetoric, but tangible proof of change before their eyes. Bihar is consistently failing its young generation, creating a demographic crisis characterized by staggering unemployment, forced migration, and systemic disillusionment. The state's unemployment rate is almost double the national average, but even more alarming is that most of its youth have given up hope of finding work. Unemployment is highest among the educated youth. The unemployment rate has reached 14.7 percent for graduates and 19 percent for postgraduates. The slogan echoing on the streets of Patna, “Either get a government job, or sell vegetables,” has become a symbol of the shattered dreams of millions of young people. The direct consequence of this despair is migration. When opportunities are scarce in the state, millions of Bihari laborers contribute their blood and sweat to the economies of Delhi, Punjab, and Maharashtra. Systemic failures like the frequent leaking of examination papers are tantamount to systemic violence against the aspirations of the youth. The land that was once home to global centers of learning like Nalanda and Vikramshila is now failing to provide even basic education to its children, perpetuating an endless cycle of poverty and migration. While Bihar accounted for nearly a tenth of the country's university enrollment in the early days of the republic, today it accounts for less than three percent. Schools exist, teachers are appointed, curricula are printed, but accountability in teaching and learning is absent. Those with means escape this system by sending their children out of the state, while the poor are trapped in a system that offers no real path to upward mobility. Until the foundation of knowledge is strengthened, talk of skill development and industrialization seems meaningless. Rebuilding public education could be the most transformative task for any government, yet it consistently ranks at the bottom of priorities in political manifestos. The liquor ban implemented in 2016 has become an example of how well-intentioned policies, when poorly designed and implemented, can turn into administrative disasters. Instead of eliminating alcohol, the ban has given rise to a parallel illegal economy, weaving a new nexus of liquor smugglers, police, and politicians. Hundreds of deaths from spurious liquor are a brutal consequence of this black market. It has clogged the courts with cases and filled the jails with petty criminals. By March 2025, over 936,000 cases had been registered and 1.43 million people arrested. However, a study published in The Lancet journal estimated that the ban prevented 2.1 million cases of domestic violence in the state. This figure is socially significant and explains why most women still support the policy. The established political parties are caught in a bind on this issue. They can neither acknowledge its failures nor risk alienating a major vote bank by proposing its repeal. The question is not merely about the next five years of governance, but about what kind of governance Bihar is willing to accept. If voters participate in building a government accountable to the people, they can compel politics to become an instrument of renewal.

वर्जिनिटी सर्टिफिकेट केस: विदेशी फंडिंग में मदरसे के पैन कार्डों की होगी जांच, प्रधानाचार्य की भूमिका पर सवाल

पाकबड़ा के लोधीपुर राजपूत स्थित मदरसे की विदेशी फंडिंग जांच में प्रबंधन ने चार बैंक खातों का ब्योरा कमेटी को सौंपा है। एडीएम प्रशासन संगीता गौतम ने अब पैन कार्ड और लेनदेन से जुड़ी



फाइलें मांगी हैं। डीएम अनुज सिंह के निर्देश पर बनी कमेटी में एडीएम प्रशासन, मुख्य कोषाधिकारी और एसपी सिटी शामिल हैं।पाकबड़ा के लोधीपुर राजपूत स्थित मदरसा प्रबंधन ने विदेशी फंडिंग की जांच कर रही कमेटी के समक्ष चार खातों का ब्योरा पेश किया। इस मामले में एडीएम प्रशासन ने

मदरसा प्रबंधन से जांच के लिए पैन कार्ड मांगे हैं। कौमार्थ प्रमाणपत्र मांगकर विवादों में घिरे मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात के प्रबंधन से जांच कमेटी ने विदेशी फंडिंग का आरोप प्रकाश में आने पर डीएम अनुज सिंह ने एमडीएम प्रशासन के नेतृत्व में एक कमेटी का गठन किया।इस कमेटी में मुख्य कोषाधिकारी रेनु बौद्ध के अलावा एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह भी शामिल हैं। जांच के दौरान एमडीएम प्रशासन गुलाब चंद्र का प्रोन्नति की वजह से रामपुर तबादला हो गया लेकिन जांच पर कोई असर नहीं पड़ा है। इस मामले में नई एडीएम प्रशासन संगीता गौतम ने मदरसा प्रबंधन से बैंक खातों का ब्योरा मांगा।मदरसा प्रबंधन ने इस मामले में चार बैंक खातों का ब्योरो सोमवार को कमेटी के समक्ष सुपुर्द कर दिया। एडीएम ने मदरसा प्रबंधन के लेनदेन की जानकारी के लिए पैन कार्ड मांगे हैं। अब इनकी भी जांच की जाएगी। संस्था के बैंक खातों, लेनदेन, शुल्क, सहयोग आदि से संबंधित फाइलों को एडीएम ऑफिस में जमा किया जाएगा। मदरसा के सचिव अरबाब शम्सी का कहना है कि मंगलवार को सभी कागजात जांच कमेटी को सुपुर्द किए जाएंगे। जांच में पहले से ही वह सहयोग कर रहे हैं। प्रधानाचार्य की भूमिका की जांच कर रही पुलिस- पुलिस ने कौमार्थ प्रमाणपत्र मांगने के मामले में एडमिशन सेल के प्रभारी एवं बिहार के पूर्णिया जिले के रानी पत्रा थानाक्षेत्र के पुरखरिया निवासी मो. शाहजहां को गिरफ्तार किया था। पुलिस प्रधानाचार्य रहनुमा और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। अभी तक पुलिस की टीम इस मामले में अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है।

शवों के उड़े थे चिथड़े... देखते ही परिजनों में मच गई चीख पुकार, अमरोहा जिले के दो लोगों की गई जान

दिल्ली ब्लास्ट में मारे गए हसनपुर के व्यापारी लोकेश अग्रवाल और मंगरौला निवासी डीटीसी परिचालक अशोक कुमार के शव मंगलवार को उनके घर पहुंचे। शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम



मच गया। लोगों ने इस घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।दिल्ली में हुए भीषण धमाके में जान गंवाने वाले हसनपुर के खाद व्यापारी लोकेश अग्रवाल और मंगरौला गांव निवासी अशोक कुमार के शव उनके

पैतृक निवास पर पहुंच गए हैं। रातभर परिजन और परिचित उनके अंतिम दर्शन के लिए बेसब्री से इंतजार करते रहे। दोनों की मौत की खबर से पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।हसनपुर में व्यापारी लोकेश अग्रवाल के आवास के बाहर सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। तमाम व्यापारिक और सामाजिक संगठनों के लोग लोकेश अग्रवाल के अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। मंगरौला गांव निवासी अशोक कुमार की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा है।अशोक के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए गंगा घाट ले जाया गया। व्यापारी लोकेश अग्रवाल के अंतिम संस्कार की तैयारियां उनके छोटे भाई संजू के आने का इंतजार कर रही हैं। वह अहमदाबाद से हसनपुर के लिए रवाना हो चुके हैं।संजू के पहुंचने के बाद ही लोकेश अग्रवाल के शव को गंगा घाट पर अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जाएगा। दोनों मृतकों के परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस घटना से पूरे हसनपुर क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। दोनों की मौत को लेकर एक तरफ जहां लोगों में गम है।आर्थिक मदद की मांग, अशोक का शव सड़क पर रख लगाया जाम दिल्ली बम धमाके में मारे गए मंगरौला गांव निवासी डीटीसी बस परिचालक अशोक का शव मंगलवार को गांव पहुंचा। जब परिजन और शव को अंतिम संस्कार के लिए गंगा घाट ले जा रहे थे, तभी उन्होंने रास्ते में ट्रैक्टर-ट्रैली रोक दी। इसके बाद शव को सड़क किनारे रखकर विरोध शुरू कर दिया।ग्रामीणों की मांग थी कि सरकार अशोक के परिवार को पर्याप्त आर्थिक मदद मुहैया कराए। इस प्रदर्शन के कारण सड़क पर जाम लग गया। भारतीय किसान यूनियन बीआर आंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय सिंह भाटी ने इस घटना को दुखद बताते हुए कहा कि मृतक अशोक के घर की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है।उन्होंने मांग की कि सरकार दुर्घटना बीमा के पांच लाख के साथ अन्य आवश्यक आर्थिक सहायता तुरंत प्रदान करे। विरोध और जाम की सूचना मिलते ही एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी और सीओ दीप कुमार पंत तुरंत मौके पर पहुंचे।उन्होंने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों और परिजनों को उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए और अशोक के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए गंगा घाट लेकर रवाना हुए।

रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमले में शामिल आरोपी जंग बहादुर उर्फ बाबा रिहा

हाईकोर्ट के आदेश पर रामपुर के सीआरपीएफ कैंप पर वर्ष 2007 में हुए हमले के आरोप से बरी हुए जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को सोमवार शाम सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। जंगबहादुर अपने परिजनों के साथ घर के लिए रवाना हुआ। जबकि, उसके साथ सजा काट रहे आतंकी मुहम्मद शरीफ को जुर्राना की धनराशि जमा न करने के कारण अभी भी जेल में रहना होगा। जुर्माने के 20 हजार रुपये जमा होने के बाद उसे भी जेल से रिहा कर दिया जाएगा।रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर साल 2007 में आतंकी हमला हुआ था। इसमें सात जवान शहीद हो गए थे। जबकि, गेट पर मौजूद एक रिक्शा चालक की भी मौत हुई थी। वहीं, पांच अन्य लोग घायल हुए थे। आतंकवादियों ने कैंप पर गोलीबारी के साथ ग्रेनेड फेंक कर भी हमला किया था। आतंकी हमले में वर्ष 2019 में रामपुर के अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने रामपुर निवासी मोहम्मद शरीफ, बिहार के सबाउद्दीन उर्फ सहाबुद्दीन, कश्मीर के इमरान शहजाद और पाकिस्तान के मोहम्मद फारूख को मौत की सजा सुनाई थी। जबकि, मुरादाबाद के जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। मोहम्मद कौसर और गुलाब खान को बरी कर दिया गया था। इस आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता लश्कर का आतंकी सैफुल्लाह 18 मई को पाकिस्तान में मारा जा चुका है। बाकी के सभी आरोपी फरवरी 2008 से जेल में ही बंद थे। इसमें से जंगबहादुर व मुहम्मद शरीफ को बरेली सेंट्रल जेल भेजा गया था। बाकी के सभी दोषियों को लखनऊ जेल में बंद किया गया था। इसी साल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को निचली अदालत के सुनाए गए फैसले को पलट दिया। दोषियों की मौत और उम्रकैद की सजा रद्द कर दी थी, लेकिन शस्त्र अधिनियम की धारा 25 में 10 साल की कैद व प्रत्येक को एक लाख रुपये जुर्माने की सजा बरकरार रखी थी।

एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाला बदमाश ढेर, साथी भी मारा गया, जानें टिड्डा और इलियास क्राइम कुंडली

भोजपुर क्षेत्र में एसटीएफ मेरठ और मुरादाबाद पुलिस की संयुक्त मुठभेड़ में मेरठ के कुख्यात अपराधी आसिफ उर्फ टिड्डा और उसके साथी दीनू को मार गिराया गया। दोनों पर एक लाख और पचास हजार रुपये का इनाम था। मुठभेड़ में एसएसपी सतपाल अंतिल की जैकेट में गोली लगी है। मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर मो. जफर से एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाले बदमाश आसिफ उर्फ टिड्डा और दीनू को सोमवार की रात पुलिस और एसटीएफ ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया।



टिड्डा के पेट और पैर में तीन गोलियां लगीं, जबकि दीनू के पेट में दो गोलियां लगी है।इस दौरान एसएसपी सतपाल अंतिल और एसटीएफ मेरठ यूनिट के एससी बृजेश सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लग गई। आसिफ उर्फ टिड्डा पर एक लाख और दीनू पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। कटघर थाना के बरवाला माजरा निवासी प्रॉपर्टी डीलर हाजी जफर ने 27 सितंबर 2025 को केस दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि उनसे फोन पर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। कॉल करने वाले ने अपना नाम आसिफ उर्फ टिड्डा बताया था। इसके बाद से पुलिस आसिफ और उसके साथी की तलाश में जुटी थी। आसिफ पर एडीजी जोन बरेली रमित शर्मा ने एक लाख का इनाम घोषित किया था, जबकि दीनू पर 50 हजार रुपये का इनाम हुआ था। मूलरूप से गाजियाबाद के भोजपुर के कलछीना का आसिफ उर्फ टिड्डा मेरठ के रसीद नगर में रह रहा था। मेरठ के सरपुर क्षेत्र के खिवाई गांव निवासी दीनू के साथ मिलकर वारदातों को अंजाम दे रहा था। एसटीएफ मेरठ यूनिट और मुरादाबाद पुलिस दोनों की तलाश में जुटी थी। सोमवार की रात करीब आठ बजे दोनों के मुरादाबाद में होने की जानकारी मिली। एसएसपी सतपाल अंतिल के नेतृत्व में मुरादाबाद पुलिस और एसटीएफ दोनों की घेराबंदी में जुटी थी। पता चला कि बदमाश कार लेकर भोजपुर क्षेत्र में गोट रेलवे स्टेशन के पास मौजूद हैं। पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी दी। गोली एसएसपी की बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी, जिसमें वह बच गए।जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश को दो-दो बोली लगीं। जिसमें दोनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल भिजवा दिया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने बदमाशों की कार से कार्बाइन, तीन पिस्टल, कारतूस बरामद किए हैं। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि आसिफ पर लूट, हत्या, रंगदारी, डकैती समेत 65 और दीनू पर 22 मुकदमे दर्ज हैं। एसएसपी ने छह साल पूर्व किया था दो बदमाशों को ढेर- करीब छह साल पहले आईपीएस सतपाल अंतिल मुजफ्फर नगर में तैनात थे। वहां दरोगा दुर्गसिंह पर फायरिंग कर बदमाश रोहित को पुलिस कस्टडी से छुड़ाकर ले गए थे। इस घटना के 14 दिन बाद ही एसएसपी सतपाल अंतिल ने अपनी टीम के साथ कुख्यात अपराधी रोहित और उसके साथ राकेश को मुठभेड़ में ढेर किया था। रोहित को मिर्जापुर जेल से पेशी के लिए मुजफ्फर नगर लाया गया था। इसी दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर उसे छुड़ा लिया था।

सपा नेता आजम खां को कोर्ट से बड़ी राहत, भड़काऊ भाषण केस में बरी, नहीं मिल पाए साक्ष्य

रामपुर के सिविल लाइंस थाने में दर्ज भड़काऊ भाषण मामले में कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में सपा नेता



आजम खां को बरी कर दिया। यह मामला 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान एसडीएम सदर पीपी तिवारी की तहरीर पर दर्ज हुआ था।सिविल लाइंस थाने में छह साल पहले सपा नेता आजम खां पर दर्ज भड़काऊ भाषण के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। मंगलवार को हुई सुनवाई में साक्ष्य के अभाव में आजम खां को बरी कर दिया है।2019 के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन एसडीएम सदर पीपी तिवारी की ओर से सपा नेता आजम खां के खिलाफ भड़काऊ भाषण का मामला दर्ज कराया गया था। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन था। इस मामले में अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से अंतिम बहस पूरी हो चुकी थी।मंगलवार को इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के लिए सपा नेता आजम खां दोपहर में कोर्ट पहुंचे, जहां पर मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट शोभित बंसल ने साक्ष्य के अभाव में सपा नेता को बरी कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

अमरोहा के एक और व्यक्ति की मौत, जिले के दो लोग गंवा चुके हैं हादसे में जान

दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके में अमरोहा जिले के दो लोगों की मौत हो गई। उनकी पहचान डीटीसी बस परिचालक अशोक कुमार और रहरा अड्डा निवासी खिाद विक्रेता लोकेश अग्रवाल के तौर पर हुई। दोनों के



शव हसनपुर लाए जा रहे हैं। दिल्ली ब्लास्ट में मंगरौला के रहने वाले डीटीसी बस के परिचालक अशोक की मौत के अलावा हसनपुर के एक ओर व्यक्ति की मौत हुई है। उनकी पहचान हसनपुर के रहरा अड्डा निवासी लोकेश अग्रवाल (52) के रूप में हुई है। सोमवार को वह दिल्ली में अपने एक बीमार रिश्तेदार को देखने के लिए अस्पताल गए थे।लोकेश खाद विक्रेता थे। मृतक लोकेश और मंगरौला निवासी अशोक दोनों आपस में दोस्त थे। परिजनों के मुताबिक लोकेश अग्रवाल ने अशोक को फोन करके लाल किला मेट्रो स्टेशन पर बुलाया था। इसके बाद अशोक अपने दोस्त लोकेश अग्रवाल के साथ बाइक पर सवार होकर आनंद विहार बस स्टैंड जा रहे थे।यहां से लोकेश अग्रवाल को हसनपुर वापस आने के लिए बस पकड़नी थी। इसी बीच लाल किले के पास मेट्रो स्टेशन के नजदीक धमाका हो गया। जिसकी चपेट में दोनों आ गए। दोनों दोस्तों की ही मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने पर लोकेश अग्रवाल के परिजनों शोक व्याप्त है। उन्होंने अपने पीछे दो बेटे और एक बेटी छोड़ी है। उनका शव हसनपुर लाया जा रहा है। सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि दिल्ली धमाके में हसनपुर के मंगरौला निवासी अशोक के अलावा हसनपुर के लोकेश अग्रवाल की भी मौत की जानकारी मिली है। उनका शव हसनपुर लाया जा रहा है।

धोखाधड़ी मामले में जावेद हबीब और उनके बेटे की गिरफ्तारी पर रोक

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मशहूर हेयरस्टाइलिस्ट और व्यवसायी जावेद हबीब तथा उनके बेटे अनोश हबीब को जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोपों से जुड़े मामलों में अग्रिम जमानत प्रदान करते हुए कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने पारित किया।मामला संभल जिले का है, जहां जावेद हबीब और उनके बेटे के खिलाफ कुल 32 मुकदमे दर्ज हैं। आरोप है कि दोनों ने अपने सहयोगी सैफुल के साथ मिलकर फॉलिकल ग्लोबल नाम की कंपनी बनाई और लोगों को निवेश पर 70 प्रतिशत तक मुनाफा देने का लालच दिया। कंपनी के जरिए कथित रूप से कॉइन निवेश योजना में निवेशकों से करोड़ों रुपये जमा कराए। बाद में यह पैसा न तो लौटाया गया और न ही कोई लाभांश दिया गया। इस तरह लगभग सात करोड़ रुपये की ठगी की गई। संभल पुलिस ने दोनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था, जिससे वे देश छोड़कर बाहर न जा सकें।इसके बाद पिता-पुत्र ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिकाएं दाखिल कीं। याचिकाओं में कहा गया कि उनके खिलाफ राजनीतिक और व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता के कारण झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए हैं और अभी तक कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं किया गया है। उन्होंने कोर्ट से आग्रह किया कि निष्पक्ष जांच से पहले गिरफ्तारी अनुचित और पूर्वाग्रहपूर्ण होगी। दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद कोर्ट ने माना कि जांच अभी जारी है, इसलिए गिरफ्तारी की आवश्यकता इस चरण में नहीं है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच एजेंसी अपने स्तर पर स्वतंत्र रूप से जांच जारी रखेगी और यदि चार्जशीट दाखिल हो जाती है, तो आगे की कार्रवाई सामान्य प्रक्रिया के तहत की जा सकेगी। कोर्ट ने जावेद और अनोश हबीब को जांच में पूर्ण सहयोग देने और आवश्यक होने पर उपस्थित होने के निर्देश दिए और सहयोग न करने की स्थिति में यह राहत स्वतः समाप्त हो जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इय्यँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जन शिकायतों के निस्तारण में बरेली रेंज उत्तर प्रदेश में नंबर वन

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जन शिकायतों के निस्तारण को लेकर ड्रुतऋ रैंकिंग में बरेली परिक्षेत्र ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है । माह अक्टूबर –2025 में बरेली परिक्षेत्र के जिला पीलीभीत ने सबसे अच्छा प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया, वहीं बदायूँ ने 34 वां, जिला शाहजहांपुर ने 39 वाँ और बरेली जिला 65 वाँ स्थान पर रहा । परिक्षेत्र के बरेली जिले के सुभाषनगर, फतेहगंज पश्चिमी, शाही, बारादरी, इज्जतनगर, देवरनियाँ, भमोरा, शीशगढ़, प्रेमनगर, सिरौली, के कुवरगांव, महिला थाना, सहसवान, फैजगंजबेहटा, , मुजरिया, बिसौली, उझानी, मुसाझाग, हजरतपुर, कोतवाली, सिविल लाइंस पीलीभीत जिले के महिला थाना, माधोटांडा, बरखेड़ा, करेली, कोतवाली, हजारा, सेहरामऊ उत्तरी, देयोरिया कलां, घुंघचाई, न्यूरिया, पूरनपुर, गजरौला, बीसलपुर, सुनगढ़ी, अमरिया, बिलसंडा एवं जनपद शाहजहाँपुर के महिला थाना, रामचंद्रमिशन, सिंधौली, कोतवाली, बण्डा, जलालाबाद, कलान, सेहरामऊ दक्षिणी, मदनपुर, मिर्जापुर, सदर बाजार, पुवायां, गढ़िया रंगीन, तिलहर, कटरा, खुदागंज ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया है । जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में विगत माह में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर परिक्षेत्र कार्यालय में कार्यरत आईजीआरएस कर्मी 30नि0 शालू, कम्प्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार व आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा । परिक्षेत्र के जिन जनपदों व थानों का आईजीआरएस के जन शिकायतों के निस्तारण में प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है उनके कार्यों की समीक्षा कर आगे से कार्य में सुधार लाएं इस पर जोर दिया जाएगा ।

पूर्ति विभाग में भ्रष्टाचार मॉडल गरीबों को ठगकर अफसर हो रहे हैं मालामाल

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। उचित दर की दुकानों की आय बढ़ाने के नाम पर पूर्ति विभाग ने ऐसा खेल रचा कि विभागीय अफसरों की जेबें भरने का जरिया बन गया। शासन ने 24 मई 2023 को एक आदेश स्थिति सुधारने के उद्देश्य जिसमें उन्हें दुकानों पर अनुमति दी गई थी। आदेश की आड़ में सिस्टम के जरिए बिछा दिया। सूत्रों के अधिकतर उचित दर की अनिवार्य रूप से बेचने का को 60 रुपये में मिलने रुपये में ग्राहकों को बेचना 25 रुपये जिला पूर्ति एआरओ के हिस्से में जाते रहे, जबकि 15 रुपये दुकानदार को दिया गया। यानी जनता से वसूल गए हर सौ रुपये में 40 रुपये सीधे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे थे। जब लोगों ने घटिया सर्फ-साबुन लेने से मना किया, तो विभाग ने एक नई योजना बनाई। इस बार मसाले की किट तैयार कराई गई, जिसमें धनिया, मिर्च, हल्दी और अन्य मसाले रखे गए कीमत वही 100 रुपये और कमीशन का बंटवारा भी पहले जैसा ही हैं। सूत्र बताते हैं कि सिर्फ साबुन की बिक्री से ही विभाग के अफसरों और उनके करीबी एआरओ ने करीब 30 लाख रुपये की रकम वसूली। इसमें से आधी रकम यानी लगभग 15 लाख रुपये सीधे एआरओ ने बटोरे, जो पहले भी फिरोजाबाद और मुरादाबाद जिलों में तैनात रह चुका है और जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के कई पुराने मामले लंबित हैं। बताया जा रहा है कि इन एआरओ पर पहले से ही विजिलेंस जांच जारी है, लेकिन जिला पूर्ति अधिकारी ने फिर भी उन्हें अपनी टीम में बनाए रखा है। इन्ही एआरओ पर पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्र का जिम्मा है। और तो और, अवैध वसूली की जिम्मेदारी अब विभाग ने तीन खास कोटेदारों को सौंप रखी है। एक जिले के पूर्वी, दूसरा पश्चिमी और तीसरा उत्तरी क्षेत्र से रुपये की वसूली करता है। ये तीनों अपने-अपने इलाकों से कोटेदारों से धन उगाही कर सीधे जिला पूर्ति कार्यालय तक रकम पहुंचाते हैं। इन तीनों पर भी पहले कई गंभीर आरोप लग चुके हैं, बावजूद इसके इन्हें अफसरों का संरक्षण प्राप्त है। अब सवाल यह उठता है कि जब विजिलेंस जांच जारी है, भ्रष्टाचार के आरोपों की गूंज शासन तक पहुंच चुकी है, फिर भी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या बरेली में शासनादेश अब भ्रष्टाचार का लाइसेंस बन गया है? आम जनता और कोटेदारों के बीच भारी रोष है। लोग पूछ रहे हैं क्या सरकारी योजना गरीब की मदद के लिए थी, या अफसरों की जेब भरने के लिए ?

दिल्ली विस्फोट: राम मंदिर की सुरक्षा में बड़ा बदलाव, प्रवेश द्वार पर लगा DFMD, अब सात कतारों में हो रहे दर्शन



दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद राम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किया गया है। रामभक्तों को अब सात कतारों में दर्शन करवाए जा रहे हैं।दिल्ली विस्फोट के बाद अयोध्या हाई अलर्ट मोड पर है। ऐसे में ही राम मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। अब यहां प्रवेश द्वार के एंट्री पॉइंट पर ही डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) लगा दिए गए हैं। यही व्यवस्था यात्री सुविधा केंद्र में भी की गई है। इसके माध्यम से जांच के बाद ही देश दुनिया से आए हुए श्रद्धालुओं को राम मंदिर परिसर के भीतर प्रवेश दिया जा रहा है। यह व्यवस्था आज से ही प्रभावी की गई है। इसके बाद अगले चरण में भी जांच प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है।मंगलवार होने के नाते श्रद्धालु बड़ी संख्या में अयोध्या पहुंचे हैं। वह सभी हनुमानगढ़ी दर्शन करने के बाद राम मंदिर आ रहे हैं। श्रद्धालुओं पर दिल्ली विस्फोट का कोई खौफ नहीं दिख रहा है। वह अपने भक्ति के रंग में सराबोर हैं। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए और सुरक्षा जांच को बेहतर बनाने की उद्देश्य से

अपना प्रदेश

जय वीर हनुमान की वाणी से गूंजा श्री हरि मंदिर , भक्तों में दिखा एक अलग ही जोश भक्ति के प्रति

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन में मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी। सुबह के सत्र में मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व शृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा प्रत्येक मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु यहां पधारते है और श्री हनुमान जी की पूजा करते है । शाम के सत्र में श्री हरि संकीर्तन श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की रसधारा बहाई गई जिस मे रवि छबड़ा ने है महावीर करो कल्याण,संजय आनन्द ने मंगलवार तेरा है शनिवार तेरा है.....,सचिन सेठी ने बजरंग बली मेरी नाव चली.....पंकज ने दुनिया में देव हजारों है बजरंगबली.....और भाई सौरभ ने आ लौट के आजा हनुमानजतिन दुआ ने वीर हनुमाना अति बलवाना आदि आदि भजनों से सारा श्री हरि मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया। उसके बाद सभी उपस्थित भक्तजनों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्री हनुमान जी की सामूहिक आरती हुई, व शयन आरती के पाश्चात्य सभी भक्तजनों में भंडारा प्रसादी का वितरण हुआ। मंदिर सचिव रवि छबड़ा ने बताया कि सामूहिक श्री हनुमान चालीसा व आरती विगत कई वर्षों से श्री हरि मंदिर प्रांगण में हो रही है,जिस में सभी आयु वर्ग में लोग सम्मिलित होते है, विशेष कर युवाओं का जागरूक होना विशेष है। आज के कार्यक्रम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छबड़ा,संजय आनन्द,गोविंद तनेजा,रंजन कुमार,हरीश लुनियाल, राजेश अरोरा,गिरीश आनन्द,संजीव अरोड़ा वा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला मंडल अध्यक्ष रेनु छबड़ा भी अपनी टीम के साथ शामिल रही। युवा मंडल के सदस्यों ने प्रसाद वितरण की सेवा की। समापन पर मंदिर सचिव रवि छबड़ा ने सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया और सभी भक्तजनों को भंडारा प्रसाद वितरण किया गया। रवि छबड़ा ने युवा वर्ग से अपील की है कि सभी युवाजन प्रत्येक मंगलवार को अपने नजदीकी मंदिर में जाकर श्री हनुमान चालीसा पाठ में जरूर पधारे ।

गल्ला मंडी नवाबगंज में पकड़ा गया बिचौलिया

किसानों के अभिलेख बरामद एएमओ ने कराई एफआईआर

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। धान ऋय केंद्रों पर बिचौलियों की सक्रियता बढ़ गई है। इसका खुलासा भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने किया है। इन लोगों ने नवाबगंज मंडी से बिचौलिया को न सिर्फ दबोचा बल्कि उसके पास दर्जन भर से अधिक किसानों की खतौनी, आधार कार्ड व अन्य अभिलेख भी बरामद किए हैं। एसडीएम के आदेश पर सोमवार रात एक बजे के करीब क्षेत्रीय विपणन अधिकारी ने बिचौलिया के विरुद्ध नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। नामजद बिचौलिया सुरेंद्र कुमार गांव समूहा का रहने वाला है। क्षेत्रीय विपणन अधिकारी (एएमओ) अरविंद कुमार राठी ने एफआईआर में कहा है कि सोमवार को किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने एसडीएम को ज्ञापन दिया। एसडीएम को बताया कि उन लोगों ने सात नवंबर की शाम सात बजे चार-पांच लोगों को आपस में बात करते सुना कि 1670 रुपये प्रति क्विंटल धान गांवों में किसानों से खरीद लिया है। पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने एक व्यक्ति सुरेंद्र को पहचान लिया था। फिर उससे कुछ किसानों के नाम के सत्यापित कागज बरामद किए। एसडीएम के निर्देश पर आरोपी सुरेंद्र के विरुद्ध जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई गई है। ऋय केंद्रों पर हावी हैं बिचौलिया- भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला प्रभारी चंद्र प्रकाश पटेल ने बताया कि नवाबगंज मंडी 16 ऋय केंद्र हैं, जिन पर बिचौलिया हावी हैं। इसी के विरुद्ध वह लोग सोमवार को गल्ला मंडी गेट पर खुली बैठक कर रहे थे। उनकी बैठक में एसडीएम उदित पवार पहुंचे थे, उन्होंने ज्ञापन लिया और एएमओ से बिचौलिया सुरेंद्र के विरुद्ध एफआईआर कराई है। डिप्टी आरएमओ कमलेश पांडेय ने बताया कि प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि उनके ऋय केंद्र पर यदि किसी बिचौलिया से धान खरीदने की बात सामने आती है तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पकड़े गए बिचौलिया के विरुद्ध एफआईआर की है। पता चला है कि गांवों में सस्ते दामों में धान खरीदने से पहले ऋय केंद्रों पर बेचने के लिए उसने कुछ किसानों के पंजीकरण करा दिए थे। जिसके प्रपत्र भी उससे बरामद हुए हैं।

किशोरी से छेड़छाड़ में पांच दिन बाद

मुकदमा

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / शाही। क्षेत्र के एक गांव की एक किशोरी से छेड़छाड़ की घटना के पांच दिन बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। किशोरी के पिता ने बताया पांच नवंबर को वह पत्नी के साथ बाहर गए थे। घर पर उनकी 16 वर्षीय बेटी अकेली थी, तभी गांव मडवा बंशीपुर निवासी विजय पाल घर में घुस गया और किशोरी से अश्लील हरकत करने लगा। किशोरी के शोर मचाने पर आसपास के लोगों को आता देख युवक जान से मारने की धमकी देता हुआ भाग गया। किशोरी के पिता का आरोप है उसी दिन से समझौते का दबाव बनाया जा रहा है। पीड़ित ने बताया कि वह आरोपियों से बचकर थाने आए हैं।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के छात्रों एवं

शिक्षकों ने ग्रामीणों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं आईआईटी दिल्ली के तत्वाधान के अन्तर्गत महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में उन्नत भारत अभियान चलाया जा रहा है इसकी 11वाँ वर्षगांठ के अवसर पर परतासपुर गाँव में बायोगैस के उत्पादन एवं प्रयोग से संबंधित जानकारी ग्राम निवासियों को प्रदान की गयी। पिछले काफी समय से गाँव में गोबर के निस्तारीकरण की समस्या बढ़ती जा रही है। जिसमें महाविद्यालय की टीम ने जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूजा अग्रवाल, उन्नत भारत अभियान के महाविद्यालय समन्वयक शिवम गंगवार और प्रफुल्ल पाठक ने तथा छात्र-छात्राओं द्वारा भी जिसमें जाहनवी सिंह, संजना पटेल एवं साक्षी द्वारा ग्रामवासियों को भारत में चलने वाले उन्नत भारत अभियान के बारे मे जानकारी दी एवं गोबर के द्वारा उत्पन्न जैव गैस बनाने की पद्धति विस्तार से समझाई। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।



प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

निगम की सड़क तोड़कर कब्जा करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई , सर्वे के लिए टीमें गठित

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम की सड़क तोड़ने या कब्जा करने वाले रसूखदारों पर अब कार्रवाई होगी। रहपुरा चौधरी मुकदमे के ने सर्वे के लिए 15 दिन में बाद रणनीति कर रहा है। रोड पर वार्ड- में नगर निगम की जमीन को तोड़ने के मामले में फय्याज अस्पताल पर कार्रवाई हुई थी। इस मामले में नगर आयुक्त के निर्देश पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। अब नगर निगम ने शहरभर में सर्वे के लिए टीमों का गठन किया है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी कार्रवाई अधिकारियों के मुताबिक ऐसे अस्पताल, बरातघर और व्यावसायिक भवनों को इसमें शामिल किया गया है, जिन्होंने नगर निगम की जमीन पर कब्जा किया है या फिर निगम की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। 15 दिनों में सर्वे रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक सर्वे रिपोर्ट के बाद जो भवन भी सामने आएंगे, उनको नोटिस भेजने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिनकी संपत्तियों से नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए कहा जाएगा। वहीं निगम अगर संतुष्ट नहीं हुआ तो मुकदमा दर्ज करने की भी कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि ऐसे भवनों को चिह्नित कराया जा रहा है, जिन्होंने कब्जा किया है या फिर निगम की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। सर्वे रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विधवा पेंशन बंद हो जाने पर विधवाएं बोलीं ,महीनों से काट रहे चक्र , कोई कुछ बताता ही नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। छह साल से मिल रही विधवा पेंशन फरवरी में अचानक रोक दी गई। तब से जिला प्ेबोशन अधिकाारी (डीपीओ) कार्यालय का चक्र लगा रही हैं। दोबारा फॉर्म भरा, पर पेंशन नहीं आई। प्रोबेशन कार्यालय पर मिलीं बरेली के मढ़ीनाथ की पूनम देवी इतना कहते-कहते फफक पड़ीं। यह दर्द सिर्फ उनका नहीं, बल्कि सुदामा देवी, राजरानी सहित सैकड़ों महिलाओं का है। सोमवार को पड़ताल में यह हकीकत सामने आई। महिलाओं ने बताया कि वे महीनों से चक्कर लगा रहीं हैं। न तो कोई उनकी बात सुनने के लिए तैयार है, न ही कोई पेंशन कटने का कारण बता रहा है। दोपहर एक बजे डीपीओ कार्यालय में 40-50 निराश्रित महिलाएं मौजूद मिलीं। सभी पेंशन कटने की वजह से परेशान थीं। महिलाओं ने बताया कि पेंशन क्यों काटी गई, उन्हें इसकी जानकारी भी नहीं दी जा रही है। कार्यालय के लिपिक सीधे मुंह बात तक नहीं करते। इसी दौरान लिपिकों की सूचना पर जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा बाहर आईं। उन्होंने मीटिंग में व्यस्त होने का हवाला देकर कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया।



नियमों का उल्लंघन करने पर 497 बसों पर कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ परिवहन विभाग का प्रवर्तन अभियान जारी है। 1 अप्रैल से 30 अक्टूबर तक मंडल में 497 बसों पर कार्रवाई की गई। में 102, पीलीभीत में 130 बसों पर कार्रवाई पंकज सिंह ने बताया विभाग की अभियान, सेमिनार के माध्यम से सड़क और सुरक्षित ड्राइविंग लिए कार्य किए जा ओरे से 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है, ताकि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा सके। जिले में डबल डेकर बसों का संचालन तभी संभव है, जब उनकी बॉडी एआरएआई से प्रमाणित संस्था से बनी हो। स्लीपर बसों के लिए एआईएस-119 और सामान्य बसों के लिए एआईएस-052 बस बॉडी मानक अनिवार्य किए गए हैं। इन्हीं मानकों के तहत फिटनेस और पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि अधिकांश टूरिस्ट बसें ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट से आच्छादित हैं। बस स्वामी तीन माह के लिए 90 हजार या एक वर्ष के लिए 3.20 लाख रुपये शुल्क जमा कर यह परमिट प्राप्त करते हैं। इससे उन्हें देशभर के विभिन्न गंतव्यों पर यात्रियों को चढ़ाने और उतारने की अनुमति मिलती है।



इनमें बरेली में 135, बदायूं 130 और शाहजहांपुर में हुई है। आरटीओ प्रशासन कि लोगों की सुरक्षा प्राथमिकता है। जागरूकता और विभिन्न गतिविधियों दुर्घटनाओं को कम करने व्यवहार को बढ़ावा देने के रहे हैं। प्रवर्तन दलों की

भारतीय किसान यूनियन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) आज भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम ज्योति सिंह को दिया इस ज्ञापन में



अवगत कराया गया है कि जनपद जालौन में किसानों की रबी फसलें मटर मसूर चना इत्यादि की बुवाई हो चुकी थी अत्याधिक वर्षा के कारण फसल पूरी तरह से तैयार हो चुकी थी शासन प्रशासन अविलंब किसानों

के नुकसान की भरपाई देवी आपदा राहत कोष एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से भरपाई कराई जाये जनपद में खरीफ की फसलों धान ज्वार बाजरा मूंग इत्यादि की फसलें पककर खड़ी थी जो फसलें कट गई थी वह खेतों में खड़ी थी अत्याधिक वर्षा होने के कारण पूरी तरह से नष्ट हो चुकी थी सर्वे करवाकर किसानों के नुकसान की भरपाई कराई जावे जनपद में किसानों की दुबारा बुवाई के लिये कम समय में पकने वाले बीज प्रशासन द्वारा अविलंब भरपूर मात्रा में उपलब्ध कराए जाये एवं पर्याप्त खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जावे इस अवसर ओर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन प्रदेश उपाध्यक्ष डा केदार नाथ निरंजन सिमरिया जिलाध्यक्ष द्विजेंद्र सिंह निरंजन बड़ागांव तहसील अध्यक्ष चतुरसिंह पटेल तहसील महासचिव डा पीड़ी निरंजन ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चंद्र पटेल परेथा ब्लॉक उपाध्यक्ष सौरभ पटेल दाढ़ी राकेश पटेल श्याम सुंदर महाराज सिंह पटेल मंत्री धनोरा आशाराम बीरेंद्र पटेल कौशल किशोर भगवान सिंह गोविंद सिंह सियाराम अरविंद पटेल महेंद्र सिंह राम स्वरूप रघुराज सिंह प्रमोद कुमार देवेंद्र कुमार सहित तमाम लोग मौजूद थे

ट्रस्ट के किये जा रहे कार्यों को लेकर संस्था की प्रशंसा की सदर विधायक गोरीशंकर वर्मा ने ई राजीव रेजा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन) स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट उत्तर



प्रदेश विगत तीन वर्षों से अपने चारों विजन शिक्षा उड़ान सुई धागा रोटी अन्नपूर्णा ग्रीन इंडिया क्लीन इंडिया के तहत लगातार कार्य कर रहा है ट्रस्ट के कार्यों से प्रभावित होकर सदर विधायक उरई गौरी शंकर वर्मा द्वारा ट्रस्ट के डायरेक्टर इंजीनियर राजीव कुमार रेजा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया इस अवसर पर बोलते हुए सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि

ट्रस्ट द्वारा वास्तव में धरातल पर कार्य किया जा रहा है मैं ट्रस्ट से जुड़े सम्मानित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का भी धन्यवाद ज्ञापित करता हू जो इस ट्रस्ट से जुड़कर ट्रस्ट में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं इस अवसर पर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष इंजीनियर संजय कुमार रेजा पत्रकार संजय कुरेले सहित उरई शहर के अनेक गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे

नदीगांव थाने के दरोगा हीरालाल राजपूत ने शराब पकड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव के दरोगा हीरालाल राजपूत और उनके हमराही पुलिस जन गस्त पर जा रहे थे तभी ग्राम घिल्लौर के पास एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा शक होने पर उसे पकड़ लिया जब नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम प्रमोद शर्मा पुत्र जगमोहन निवासी ग्राम तजपूरा थाना नदीगांव बताया और तलाशी के समय उसके पास से एक प्लास्टिक की पीपिया में दस लीटर अवैध शराब बरामद हुई है पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा धारा 60 आबकारी अधिनियम में दर्ज कर लिया है

प्रदेश में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम युवाओं को बना रहा है आत्मनिर्भर

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ देश के मा0 प्रधानमंत्री जी ने युवाओं को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम आरम्भ किया है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना केंद्र सरकार द्वारा देश के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए शुरू की गयी है। इस योजना के अंतर्गत देश के बेरोजगार युवाओं को अपना खुद का रोजगार प्रारम्भ करने के लिए निर्माण क्षेत्र में अधिकतम 50 लाख रूपये तक एवं सेवा क्षेत्र / व्यापार के चिन्हित तथा चयनित क्षेत्र के लिए अधिकतम रू0 20 लाख तक की लागत की परियोजनाओं की स्थापना हेतु ऋण उपलब्ध कराते हुए युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। इस योजना का लाभ प्रदेश के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवा उठा सकते हैं। पीएमईजीपी योजना के तहत अधिक से अधिक लोगों को लोन देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु केन्द्र सरकार विशेष बल दे रही है। इस योजना के तहत प्रदेश के जो इच्छुक लाभार्थी अपना रोजगार आरम्भ करने के लिए लोन प्राप्त करना चाहते हैं तो उन्हें पी0एम0ई0जी0पी0 ऋण स्कीम के तहत आवेदन करना होगा। तभी वह इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना के तहत आवेदन करने की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। वह अपना खुद का रोजगार शुरू कर सकते हैं। सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत किसी भी संस्थान को पीएमईजीपी के तहत सहायता के लिए पात्र माना जा सकता है। अगर कोई व्यक्ति पी0एम0ई0जी0पी0 योजना के तहत लोन लेते हैं तो उसे उसी वर्ग के अनुसार लोन की राशि पर सब्सिडी भी दी जाती है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देशभर के युवाओं को गैर कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म उपक्रमों की स्थापना के जरिए रोजगार के अवसर प्रदान करना है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का उद्देश्य है कि प्रदेश के युवा नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बने। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र के बेरोजगार नागरिकों को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत उन सभी बेरोजगार नागरिकों को ऋण प्रदान किया जाएगा जो अपना रोजगार स्थापित करना चाहते हैं। इससे बेरोजगारी दर में गिरावट आएगी तथा युवा आत्मनिर्भर बनेंगे। इस योजना के तहत युवाओं को उनके वर्ग और इलाकों के अनुसार सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। इस योजना से लाभान्वित होने के लिए नोडल एजेंसी जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी), खादी ग्रामोद्योग बोर्ड (केवीआईसी) एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग विभाग से संपर्क किया जा सकता है। इस योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना पड़ता है। आवेदन के समय आवेदक का आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति व निवास प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, मोबाइल नं0, पासपोर्ट साइज का फोटो आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना होता है। पी0एम0ई0जी0पी0 स्कीम के अन्तर्गत-वन आधारित उद्योग, खनिज आधारित उद्योग, खाद्य उद्योग, कृषि आधारित इंजीनियरिंग, रसायन आधारित उद्योग, वस्त्रोद्योग (खादी को छोड़कर), सेवा उद्योग एवं गैर परम्परागत ऊर्जा आदि उद्योगों की स्थापना किया जा सकता है। इस योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2017-18 से अब तक कुल 30659 लाभार्थियों / इकाईयों को रू0 944.18 करोड़ मार्जिन मनी वितरित की गई। इसके माध्यम से 307937 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा अनुदानित एवं 30प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित योजना के अंतर्गत रू0 50 लाख तक की परियोजनाओं हेतु ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के उद्यमियों को बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। परियोजना लागत के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र के सामान्य पुरुष को 25 प्रतिशत व महिला एवं आरक्षित वर्ग के लाभार्थियों को 35 प्रतिशत का ऋण एवं शहरी क्षेत्र के उद्यमियों को क्रमशः 15 एवं 25 प्रतिशत का मार्जिन मनी अनुदान की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है, जो इकाई के सफलतापूर्वक 03 वर्ष संचालित रहने पर छूट में परिवर्तित हो जाती है।

बुंदेलखंड की प्रतिभाओं को बड़ा मंच देने जा रहा है रग-रग बुंदेली उभरता बुंदेलखंड सांस्कृतिक महोत्सव कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। बुंदेलखंड के उभरते कलाकारों और रचनात्मक युवा प्रतिभाओं को नए अवसर और पहचान दिलाने के उद्देश्य से युवा ऑंकार सिंह ठाकुर विक्की भइयाद्वारा एक विशेष सांस्कृतिक एवं मीडिया आयोजन रगरग बुंदेली उभर ता बुंदेलखंड का आयोजन 23 नवंबर 2025 को उरई के राजकीय ऑडिटोरियम में किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें संगीत, कला फोटोग्राफी, पत्रकारिता अभि नय फैशन और डिजिटल क्रिएशन से जुड़े युवा प्रति भागियों को एक ही मंच पर प्रस्तुति और संवाद का अवसर



मिलेगा इस कार्य क्रम का उद्देश्य बुंदेल खंड की स्थानीय कला, भाषा संस्कृति और परंपराओं को नए युग की रचनात्मक अभि व्यक्ति से जोड़ना है ताकि स्थानीय युवक युवतियों को केवल दर्शक की भूमिका में नहीं बल्कि रचना कार और प्रतिनिधि की पहचान मिल सके।आज की डिजिटल पीढ़ी रील्स सोशल मीडिया और क्रिएटिव अभि व्यक्तिके माध्यम से क्षेत्र की आवाज़ बन रही है। ऐसे समय में यह आयोजन उन्हें मार्गदर्शन, मंच और सम्मान तीनों प्रदान करेगा इस आयो जन की परिकल्पना करने वाले श्री ऑंकार सिंह ठाकुर विक्की भैया ने कहा कि बुंदेलखंड में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कमी है तो अवसर, दिशा और मंच की। रग रग बुंदेली उसी कमी को पूरा करने की शुरुआत है, ताकि यहाँ का नौजवान अपनी पहचान खुद लिख सके।उन्होंने आगे कहा कि यह आयो जन युवाओं को कला मीडिया और उद्योग जगत से जोड़ते हुए उन्हें स्थानीय से राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ने का मौका देगा कार्य क्रम का क्रिएटिव निर्देशन रोहित विनायक द्वारा किया जा रहा है, जो इस आयोजन में पारंपरिक बुंदेल खंडी संस्कृति को आधुनिक प्रस्तुति शैली के साथ जोड़ ने का कार्य करेंगे। उनके अनुसार बुंदेलखंड की भाषा, लोकगीत नृत्य और सांस्कृतिक कला अपने आप में विराट पहचान रखते हैं जिन्हें डिजिटल मंच के माध्यम से और बड़े स्तर पर दुनिया तक पहुंचाया जा सकता है कार्यक्रम में प्रति भागियों के लिए एक मिनट की राइसिंग बुंदेलखंड रिल्स चैलेंज आयो जित की जा रही है, जिसमें युवा अपनी कला, आवाज़, स्थानीय संस्कृति और सामाजिक संवेदनाओं को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही लोकगीत और लोकनृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियाँ, उभरते कलाकारों का सम्मान समारोह, टाउन हाल फोटोग्राफी वॉक तथा मीडिया एवं डिजिटल क्रिएटर्स मीट आयोजन की मुख्य आकर्षक गतिविधि यॉ होंगी। यह न केवल सांस्कृतिक उत्सव होगा, बल्कि रचनात्मक संवाद और भविष्य के अवसरों को जोड़ने वाला नेटवर्किंग मंच भी साबित होगा। इस आयोजन से यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि बुंदेलखंड की नई पीढ़ी अपनी कला और पहचान को आत्मविश्वास के साथ सामने लाएगी इससे युवाओं में सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक सम्मान और आत्मनिर्भरता की भावना मजबूत होगी। टीएसएम ग्रुप का मानना है कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से बुंदेलखंड को प्रतिभा, कला और सांस्कृतिक गर्व की नई परिभाषा मिलेगी।

दिसंबर तक विवाह के सिर्फ 12 शुभ मुहूर्त , यहां देखें सही तिथियां...जनवरी में नहीं होंगी शादियां

इस बार 12 दिसंबर के बाद जनवरी तक नहीं कोई मुहूर्त नहीं है। फरवरी के प्रथम सप्ताह में विवाह फिर शुरू होंगे। देवउठनी एकादशी के बाद शुभ मुहूर्त न होने के कारण विवाह एवं शुभ कार्यों पर रोक सी लग गई। 16 नवंबर से पुनः शहनाई और शुभ कार्य होना शुरू हो जाएंगे, जो कि 12 दिसंबर तक चलेंगे।

इसके बाद फरवरी के प्रथम सप्ताह में विवाह कार्यक्रम होंगे।दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य आचार्य कामेश्वर चतुर्वेदी ने बताया कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी के साथ ही देवताओं का प्रबोधन हो चुका है। तुलसी-शालिग्राम विवाह संपन्न होने के पश्चात मांगलिक कार्यों की अनुमतियां प्रारंभ मानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि अब सूर्य भगवान 18 नवंबर को दोपहर 1.38 बजे वृश्चिक राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इससे विवाह, गृह प्रवेश, सगाई आदि शुभ कार्यों में तेजी आएगी।ज्योतिषाचार्य शरद चतुर्वेदी ने बताया कि सूर्य के इस गोचर से मांगलिक योगों की प्रभावशीलता बढ़ती है। इससे शुभ कार्यों का वातावरण बन रहा है। उच्च राशि का बृहस्पति शुभ फलदायी स्थिति में होने से विवाह के शुभ मुहूर्तों में वृद्धि हुई है। ज्योतिषाचार्य पंकज चतुर्वेदी ने बताया कि मार्गशीर्ष मास भी प्रारंभ हो चुका है। जो धार्मिक एवं मांगलिक कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। उन्होंने बताया कि 14 दिसंबर को शुक्र ग्रह अस्त हो जाएगा।

इसके बाद धनु संक्रांति लग जाने से मांगलिक कार्य बंद हो जाएंगे। अगला शुभ समय फरवरी 2026 के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होगा। नवंबर में विवाह योग्य तिथियां 18, 22, 23, 24, 25, 26, 30 नवंबर दिसंबर में विवाह योग्य तिथियां = 4, 9, 10, 11, 12 दिसंबर

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने दिए एलपीजी व सीएनजी वाहनों की सघन जांच के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने सुरक्षा की दृष्टि से एआरटीओ, क्षेत्राधिकारी एवं जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया है कि जनपद के भीतर संचालित एलपीजी एवं सीएनजी गैस चालित वाहनों की सघन जांच की जाए। उन्होंने कहा कि बिना मानक और बिना अनुमति के फिट की गई गैस किट मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकती है, इसलिए ऐसे वाहनों की पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जांच अभियान के दौरान वाहन स्वामियों को सुरक्षा मानकों के पालन एवं नियमित फिटनेस जांच के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अभियान के तहत परिवहन विभाग, पुलिस विभाग व पूर्ति विभाग का संयुक्त दल जनपद के प्रमुख मार्गों, बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर वाहनों की जांच करेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि यह कदम जनहित में उठाया गया है ताकि जनपद में किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

शिवपुरी के समग्र विकास के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी,ब्यूरो। शिवपुरी के समग्र विकास, सौंदर्यीकरण और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज



केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा स्थानीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विधायक देवेन्द्र जैन, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, सांसद प्रतिनिधि हरिओम

राठौर व राकेश गुप्ता, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिवपुरी को एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं आकर्षक आधुनिक शहर के रूप में विकसित करना रहा, साथ ही इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्वरूप को संरक्षित रखने पर विशेष बल दिया गया। जनभागीदारी से बनेगा विकास का नया मॉडल केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि विकास का असली आधार जनभागीदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों व स्थानीय नागरिकों के सुझावों को योजनाओं में प्राथमिकता से शामिल किया जाए, ताकि हर नागरिक विकास की प्रक्रिया का हिस्सा बन सके। सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत संरचना में तेजी बैठक में शिवपुरी शहर के मुख्य चौराहों के सौंदर्यीकरण, सिग्नेचर लैंडमार्क निर्माण, गणेश गौरी कुंड पार्क, दो बत्ती चौराहा पार्क, बाजा घर पार्क, सिद्धेश्वर टेकरी ग्राउंड के आधुनिकीकरण सहित सावरकर पार्क और अंबेडकर पार्क जैसे पुराने उद्यानों के नवीनीकरण के प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। इसके साथ ही थीम रोड ब्यूटीफिकेशन, वाटर बॉडीज़ का पुनर्जीवन, तथा रोड सेप्टी व ट्रैफिक प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। सीसीटीवी कैमरों से सुदृढ़ होगी सुरक्षा व्यवस्था शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सीसीटीवी नेटवर्क के विस्तार की योजना प्रस्तुत की गई। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे अपराध नियंत्रण और जन-सुरक्षा में सहायता मिलेगी। इस पर मंत्री सिंधिया ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। समयबद्ध और गुणवत्ता युक्त कार्य पर जोर- सिंधिया ने कहा कि सभी विकास कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि शिवपुरी का गौरवशाली अतीत इसकी पहचान है, और इसे संवेदनशील नियोजन, आधुनिक सुविधाओं तथा स्वच्छ वातावरण के साथ विकसित करना हम सबका संकल्प है। बैठक के समापन पर केंद्रीय मंत्री ने कहा –शिवपुरी को हम एक ऐसा शहर बनाएंगे जो अपनी संस्कृति, प्रकृति और आधुनिकता के संगम से देश में उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
की आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करें-9027776991

knlslive@gmail.com

Amla Murabba is a powerhouse of antioxidants and vitamins; read on for an easy way to make it at home.

Including Amla Murabba in your diet during the winter season can be quite beneficial (Amla Murabba Benefits). In fact, Amla Murabba is rich in antioxidants and vitamins, and if made with jaggery, it also helps in overcoming Murabba at home. Amla Murabba is very Murabba is also beneficial for the skin. risk of colds, flu, etc., increases the diet to avoid these problems. In this can be quite beneficial (Amla Murabba can also be very beneficial for health. Let's and how you can make a tasty murabba - Boosting Immunity: Amla is very high body's ability to fight diseases, which helps for the digestive system: It improves balancing stomach acid. For hair and making the skin healthy and glowing. It is and slows down the graying process. For eyesight and preventing eye-related gooseberry) and jaggery jam can be hemoglobin levels in the body and combat from damage caused by free radicals, thus Jaggery Jam: Ingredients: Amla - 500 4 teaspoon Method: First, wash the Amla in a pot and add the Amla. Boil for 10-15 set aside. Next, in a pan, add the jaggery heat, stirring continuously. Be careful not the jaggery syrup through a fine cloth or into the pan. Now add the boiled Amla. Keep the heat on medium-low. Cook for 45 minutes to 1 hour on low heat. Cook until the syrup thickens. A few minutes before turning off the gas, add a little black salt and mix well. Let the jam cool completely. After cooling, the syrup will thicken further. Store the jam in a clean, dry glass jar.



iron deficiency. Let's learn the recipe for making Amla beneficial for health; it helps a lot in boosting immunity. Amla The cold season has almost arrived. In such a situation, the considerably. Therefore, special attention should be paid to case, including Amla Murabba made with jaggery in your diet Benefits). Amla Murabba is not only delicious to eat, but it learn what benefits you can get from eating Amla Murabba at home (Amla Murabba Recipe). Benefits of Amla Murabba in Vitamin C, which acts as an antioxidant. It strengthens the in preventing colds, coughs, and viral infections. Beneficial digestion and helps relieve constipation. It also helps in skin: The antioxidants and Vitamin C present in it help in also considered very good for hair health, reduces hair fall, eyesight: Amla contains carotene, which helps in improving problems. To combat anemia, consuming Amla (Indian beneficial. The iron present in jaggery helps increase anemia. Amla is a storehouse of antioxidants, protecting cells slowing down the aging process. Recipe for making Amla and grams Jaggery - 750 to 800 grams Water - 1 cup Black salt - 1/ thoroughly and prick each Amla with a fork. Now, heat water minutes until they become soft. Remove from the water and and 1 cup of water. Let the jaggery melt completely over low to overcook the jaggery; just melt it completely. Now, filter sieve to remove any impurities. Pour the filtered syrup back

Get a parlor-like glow from kitchen cinnamon! Just use it in these 5 ways.

Cinnamon is not just a spice that makes our food fragrant and delicious. It's a magical treasure hidden in your kitchen that can give your skin a parlor-like glow. Yes, cinnamon has anti-inflammatory and antioxidant properties that help treat acne, signs Using cinnamon can provide many benefits. You can include it in use to enhance the taste of food, is nothing short of a magic wand properties that heal your skin from within and can give you a miraculous spice in your beauty routine. Honey and Cinnamon you. The anti-bacterial properties present in cinnamon kill the cinnamon powder in 1 teaspoon of honey. How to apply: Apply out the pimples but also lightens their marks. Oatmeal and skin from within and removes dead skin cells, giving your skin an teaspoon of cinnamon powder, and a little milk to make a thick wash it off with cold water. It is an excellent exfoliator that makes Fuller Lips - Do you want fuller lips without injections? Cinnamon fuller look. How to make: Mix a pinch of cinnamon powder with onto your lips. This removes dry skin and makes your lips look The vitamin C in lemon and cinnamon together help lighten dark juice and less than 1/4 teaspoon of cinnamon powder. How to and wash it off after 5 minutes. Avoid going out in the sun after with cinnamon oil increases blood circulation in the skin, making your skin look naturally healthy and rosy. How to make: Mix 2-3 drops of cinnamon oil with a little coconut oil (or you can heat a small cinnamon stick in the oil). How to apply: Gently massage your face with this mixture. It tightens your skin and gives it a natural healthy glow.



of aging, and dry skin. Everyone wants flawless and radiant skin. your skincare routine in 5 ways. Cinnamon, which we commonly for our skin. It contains antioxidants and anti-inflammatory natural, parlor-like glow. Let's find out how to include this Mask for Acne - If you are troubled by acne, this mask is best for germs that cause acne. How to make: Mix half a teaspoon of this paste only on the acne and leave it overnight. It not only dries Cinnamon Face Pack for Glowing Skin - This pack cleanses your instant glow. How to make: Mix 2 teaspoons of oatmeal, 1/4 paste. How to apply: Apply it on your face for 15 minutes and then your skin soft and radiant. Cinnamon and Petroleum Jelly for is known to increase blood flow to your lips, giving them a naturally a little petroleum jelly. How to apply: Gently rub (scrub) this mixture pink and plump. Lemon and cinnamon solution for dark spots: spots and pigmentation. How to make: Mix 1 teaspoon of lemon apply: Using a cotton ball, apply this solution only to the dark spots using lemon. Cinnamon oil to increase blood circulation: Massaging

Do you often remain silent thinking, "What will the other person think?" Read about 7 amazing benefits of expressing yourself openly.

Has it ever happened that you wanted to say something, but couldn't find the right words, and your feelings remained unspoken? Or has a misunderstanding soured a cherished relationship? Actually, the solution to all our life's problems often yourself builds trust. This habit can deepen your relationships. It a lot in our hearts, but can't express it in words. Sometimes fear, the other person think?" silences us. But the truth is, expressing relationships but also improves confidence and mental health. express ourselves clearly and politely. Increased trust and intimacy every strong relationship. When we honestly express our feelings trust deepens. People who can express their feelings openly have mutual respect. Increased self-esteem and confidence - When we satisfaction arises within us that "I have spoken my mind." This increases, and the person begins to feel that their opinion also in every situation. Helps in resolving conflicts - Disagreements workplace, but the art of effective communication prevents these ourselves calmly and clearly, the other person is more willing to solutions, not creating problems. It makes self-understanding but also with ourselves. When we try to understand our own thoughts and feelings, inner clarity emerges. This self-dialogue helps us recognize our desires, weaknesses, and strengths. Gradually, we begin to become more honest and aware of ourselves – which is the first step towards personal growth. Mental stress and anxiety decrease – when we suppress our emotions, they cause tension within us, but if we learn to express them in the right words, the mind feels lighter. Communication is a way to release the negative energy accumulated within us. It significantly reduces anxiety, loneliness, and mental fatigue. It also affects physical health – you might be surprised to know that clear and effective communication also benefits our bodies. People who engage in meaningful conversations experience less stress, better sleep, and normal blood pressure. In the long run, this habit can reduce problems like heart disease, headaches, and insomnia. Better communication is the key to success – communication is also of immense importance in the professional world. In any job or leadership role, your ability to express yourself matters more than your technical skills. A good communicator inspires their team, resolves conflicts, and creates an environment of trust. These qualities are what propel them forward. Speaking clearly is not about dominating others, but about expressing your feelings respectfully. When we neither ignore others nor suppress ourselves, this balance makes us stronger – both internally and externally. So, the next time you want to say something, don't hesitate – express yourself clearly, thoughtfully, and honestly.



lies in one place: your communication skills. Clearly expressing also increases self-esteem and confidence. Many times, we feel sometimes hesitation, or sometimes the thought of "What will yourself clearly and respectfully not only strengthens Let's find out what positive changes occur in life if we learn to in relationships - Open communication is the foundation of and also listen to others, misunderstandings are resolved, and long-lasting relationships because there is transparency and express our thoughts without fear or hesitation, a feeling of feeling strengthens self-esteem. Gradually, confidence also matters. This feeling makes them more resolute and balanced are natural in life - whether in family, friendship, or at the disagreements from turning into conflicts. When we express listen. In this way, communication becomes a means of finding easier – good communication shouldn't just be with others,

After a smashing success at the box office, 'Dude' is coming to OTT: When and where to watch the film?

The film Dude, which was released in theaters last month, is now set to release on an OTT platform. This film, with a runtime of over two hours, is now coming to OTT. Find out when and where you can watch it. The film Dude crores worldwide - The film is coming to a great and top-rated romantic-comedy soon for you. This film is Dude, which was a very good response. The Tamil film Dude 2025, and earned a considerable amount. viewers are eagerly awaiting its OTT when and where Dude will be released on the film Dude - Directed by Kirithi Swaran, Mamitha Baiju in the lead roles. The film comedy that humorously depicts the unrequited love of today's generation. This after Love Today. Was Dude a box office of 25 to 30 crore rupees, the film Dude has Made on a low budget, this film created a crore rupees worldwide. The film also did movies of Tamil cinema. On which OTT a buzz in theaters, it is now going to be on Netflix, with whom the makers have rupees. This movie is scheduled to stream 14, 2025. It's worth noting that the film received a 7 rating from IMDb.



was released in October - Dude earned 100 OTT within a month. If you want to watch drama on OTT, then a film is coming to OTT released in theaters last month and received was released in theaters on October 17, After the tremendous success of Dude, release. Recently, the makers have revealed OTT after its theatrical run. The story of the film stars Pradeep Ranganathan and is a light-hearted and entertaining romantic themes of relationships, friendship, and is Pradeep Ranganathan's third major hit hit or flop? - Reportedly made on a budget earned a lot of money at the box office. sensation at the box office by collecting 100 good business in India and is one of the hit platform is Dude releasing? - After creating released on an OTT platform. It will stream reportedly struck a deal worth 25 crore on the OTT platform Netflix on November

Woman Trapped in a Web of Lies and Deceit: When and Where to Watch Radhika Apte's Film

After impressive screenings at various film festivals, the much-awaited film directed by Tisca Chopra and starring Radhika Apte, Divyendu Sharma, Anurag Kashyap, Anshuman Pushkar, Sauraseni release. This film has it's coming to OTT film be released on? role. The film was suspense thriller, Saali is all set to release on in this film. The film the International Film the story about? In the of Smita, a resident of However, her life is entangled in a web of the film progresses, the certain that the story, which questions at the end. the audience hooked on digital platforms. film will soon be recently confirmed will be seen? This film, Manish Malhotra,



It also features Anurag Kashyap, Divyendu Sharma, Chahat Arora, Kusha Kapila, Sharat Saxena, and other prominent actors. The cinematography is by Vidushi Tiwari.

been eagerly awaited by audiences. Now, very soon. Which OTT platform will the Radhika Apte will be seen in the lead screened at several film festivals. The Mohabbat, directed by Tisca Chopra, OTT. Radhika Apte plays the lead role will premiere on November 22, 2024, at Festival of India (IFFI) in Goa. What is film, Radhika Apte plays the character a small village called Furastgarh. not what it seems. She is deeply lies, infidelity, betrayal, and murder. As scenes become even more intense. It's audience will definitely enjoy the film's successfully leaves them with many The film is full of suspense that keeps till the very end. It will soon be released Where will the film be released? This streaming on Zee5. The OTT platform this by releasing a poster. Which actors starring Radhika Apte, is produced by Jyoti Deshpande, and Dinesh Malhotra.

Extremely Insulting... Hema Malini's Anger Erupts Over False News of Husband Dharmendra's Death, Expresses Displeasure

False news of actor Dharmendra's death spread rapidly. His daughter Esha Deol and now his wife Hema Malini have expressed their displeasure. Hema shared a social media post calling it extremely insulting. False news of actor Dharmendra's death spread. The 89-year-old Bollywood actor Dharmendra is alive. Actress Hema Malini expressed her anger over the matter. The rumor mill is buzzing about veteran actor Dharmendra. A short while ago, false news of the death of the Hindi cinema's He-Man spread like wildfire. This was first refuted by Dharmendra's daughter and actress Esha Deol, and now MP-actress Hema Malini has expressed her displeasure over the matter. Hema Malini's anger has erupted over the rumors of her husband Dharmendra's death, and she has strongly criticized those responsible on social media. Let's find out what the Bollywood Dream Girl wrote in her post. Hema's reaction to the fake news of Dharmendra's death - Since Monday, actor Dharmendra has been admitted to Breach Candy Hospital in Mumbai. His condition remains stable, which was confirmed by superstar Sunny Deol. On the morning of November 11, false news of Dharmendra's death spread rapidly, which Esha Deol immediately dismissed as fake, and Hema Malini also objected to the matter. Hema posted a latest tweet on her official X handle and wrote - 'Whatever is happening is unforgivable. How can responsible channels spread false news about a person whose treatment process has been going well and showing results? This is truly extremely insulting and irresponsible. Please, I request everyone to fully respect our family and privacy.' Hema keeping a close eye on Dharmendra's health - This is how Hema Malini expressed her anger over the rumors of her husband Dharmendra's death. It is known that Hema is closely monitoring Dharmendra's health and is continuously sharing updates related to his health on social media. Late at night, Hema Malini also shared important information regarding Dharmendra's health.

